लड़की हूं, लड़ सकती हूं, लेकिन कार्यकारिणी में जगह नहीं पा सकती...

कांग्रेस की 51 लोगों की कार्यकारिणी में केवल 3 महिलाओं को दिया गया पद

शाजापुर। इन दिनों भाजपा और कांग्रेस में महिलाओं के हक को लेकर बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं. भाजपा नारी शक्ति को लेकर प्रदर्शन कर रही है, तो कांग्रेस महिलाओं को आरक्षण की वकालत कर रही है. लेकिन राजनीति की विडंबना यह है कि जब बात नारी शक्ति के उद्घोष की आती है, तो मंच छोटा पड़ जाता है, लेकिन जब बात संगठन में कुर्सी देने की आती है, तो शक्ति शायद घर के काम में व्यस्त मान ली जाती है.

कहते हैं राजनीति में कथनी और करनी के बीच की दूरी उतनी ही होती है, जितनी पृथ्वी से मंगल की, लेकिन कांग्रेस की हालिया जिला कार्यकारिणी ने तो इस दूरी को प्रकाश वर्ष में बदल दिया है. देशभर में महिला आरक्षण के झंडे बुलंद करने वाली पार्टी ने अपनी जिला कार्यकारिणी में एक क्रांतिकारी अनुपात पेश किया है. 51 में से मात्र 3 महिलाएं. गणित की भाषा में कहें तो यह लगभग 5.8 प्रतिशत बैठता है. शायद पार्टी के रणनीतिकारों ने सोचा होगा कि शक्ति इतनी प्रभावशाली होती है कि एक महिला ही 17 पुरुषों के बराबर भारी पड़ेगी. आखिर 33 प्रतिशत की मांग तो संसद के लिए है, संगठन में तो भावनाओं से काम चलाया जा सकता है. लड़की हूं, लड़ सकती हूं... का नारा बुलंद करने वालों के लिए यह कार्यकारिणी किसी अदृश्य स्याही से लिखे पत्र की तरह है. संदेश साफ है – लड़कियां जरूर लड़ें, महंगाई के खिलाफ, बेरोजगारी के खिलाफ, सड़कों पर झंडे लेकर, लेकिन जब कार्यकारिणी की लिस्ट में नाम छपने की बारी आए, तो पुरुषों को बलिदान देने की तकलीफ न दी जाए. आखिर भाईचारे को सिस्टर हुड से खतरा जो हो सकता है.

कांग्रेस ने महिलाओं को चुनाव में मौका दिया, लेकिन भाजपा ने नहीं...

भले ही भाजपा नारी शक्ति के नाम से पूरे देश में महिलाओं के सम्मान की लड़ाई लड़ रही है, लेकिन शाजापुर जिले की बात करें, तो भाजपा ने आज तक किसी भी महिला नेत्री को न लोकसभा का टिकट दिया और न ही विधानसभा का. इसके उलट बात करें, तो कांग्रेस ने लोकसभा में श्रीमती शकुंतला चौहान को टिकट दिया, तो शाजापुर विधानसभा से दो बार तारा ज्योति शर्मा को भी मौका दिया. यहां तक कि शाजापुर के अविभाजित आगर जिले से शकुंतला चौहान कांग्रेस से विधायक भी चुनी गई. महिला आरक्षण को लेकर भाजपा और कांग्रेस दोनों महिलाओं के हमदर्द बने हुए हैं. लेकिन वास्तविकता यह है कि भाजपा ने आज तक किसी भी महिला नेत्री को विधानसभा और लोकसभा में शाजापुर जिले से मौका नहीं दिया. लोकसभा की बात करें, तो अभी तक भाजपा ने एक बार भी महिला को टिकट नहीं दिया और न ही किसी विधानसभा से महिला को मौका दिया.

51 की कार्यकारिणी में सिर्फ 3 महिलाएं

जिला कांग्रेस ने जो कार्यकारिणी घोषित की थी, हालांकि उसे अभी रोक दिया गया है, लेकिन रुकी हुई कार्यकारिणी पर नजर दौड़ाएं, तो 51 लोगों की कार्यकारिणी में से महज 3 महिलाओं को ही स्थान मिल सका. जबकि कांग्रेस पूरे प्रदेश में महिलाओं के हक को लेकर आंदोलन कर रही है, लेकिन पद देने की बारी आई, तो महिलाओं को चौके-चूल्हे तक ही सीमित कर दिया. अब देखना है कि रुकी हुई कार्यकारिणी जब नए सिरे से घोषित होती है, तो इसमें महिला नेत्रियों को कितना अधिकार मिलता है. इनकी संख्या बढ़ती है या फिर ये आंदोलन सिर्फ नाम का ही रह जाता है.

एक नजर में

सामूहिक विवाह सम्मेलन 28 जोड़े बने जीवनसाथी

शुजालपुर। तहसील शुजालपुर के ग्राम मगरानिया में आंजना शैक्षणिक एवं जन कल्याण समिति के तत्वावधान में आंजना समाज का 13वां सामूहिक विवाह सम्मेलन पारंपरिक उत्साह एवं गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ. सम्मेलन में कुल 28 जोड़ों का विवाह हिंदू संस्कृति एवं रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न कराया गया. कार्यक्रम में मध्य प्रदेश एवं राजस्थान से आए समाजजन एवं अतिथियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही. प्रमुख अतिथियों में अखिल भारतीय आंजना महासभा के उपाध्यक्ष विक्रम सिंह आंजना मोहनपुरा, सिंहस्थ मेला प्रभारी माखन सिंह चौहान, महिला मंडल की प्रदेश अध्यक्ष संजू बेन कमल सिंह आंजना, युवा आंजना महासभा प्रदेश अध्यक्ष महेश आंजना सहित जीवन सिंह पचलासी, धीरज सिंह आंजना, कमल सिंह आंजना एवं उदय सिंह आंजना उपस्थित रहे. क्षेत्रीय विधायक घनश्याम चंद्रवंशी सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक भी कार्यक्रम में शामिल हुए. सम्मेलन के दौरान नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया गया तथा समाज में एकता और सामूहिक विवाह की परंपरा को मजबूत करने का संदेश दिया गया. समिति अध्यक्ष रामचंद्र चौहान एवं सचिव मनोहर आंजना ने मंच से सभी अतिथियों का सम्मान किया और कार्यक्रम में पधारे समाजजनों के प्रति आभार व्यक्त किया. कार्यक्रम का आयोजन सामाजिक समरसता, आर्थिक सहयोग एवं संस्कारों के संरक्षण का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर सामने आया.

विद्यार्थियों को दी जनगणना की डिजिटल समझ

शुजालपुर। जवाहरलाल नेहरू स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में

मंगलवार को सेल्फ एन्यूमरेशन विषय पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को आधुनिक तकनीक के माध्यम से जनगणना प्रक्रिया की जानकारी देना और उन्हें डिजिटल भागीदारी के लिए तैयार करना रहा. कार्यक्रम में वक्ताओं ने सेल्फ एन्यूमरेशन की उपयोगिता और प्रक्रिया को सरल भाषा में समझाया. डॉ. बी के त्यागी ने प्रेरक संबोधन में कहा कि डिजिटल युग में नागरिकों की भागीदारी जनगणना को अधिक सटीक और प्रभावी बनाती है. वहीं डॉ. आशीष यादव ने विषय के विभिन्न तकनीकी पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को इसकी प्रक्रिया से अवगत कराया. डॉ. सुनील कुमार मित्तल ने भी अपने विचार रखते हुए छात्रों को व्यवहारिक जानकारी प्रदान की. इस अवसर पर डॉ. मुकेश सिंह मेवाड़ा, दुर्गा प्रसाद शर्मा एवं प्रीतम परमार विशेष रूप से उपस्थित रहे. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने सहभागिता करते हुए विषय के प्रति उत्साह और जिज्ञासा दिखाई. कार्यशाला ने विद्यार्थियों को न केवल जनगणना की नई प्रणाली से परिचित कराया, बल्कि उन्हें डिजिटल रूप से सशक्त नागरिक बनने की दिशा में भी प्रेरित किया.

सीमांकन के लिए आवेदन लोक सेवा केंद्र से ही लिए जाएं

शाजापुर। कलेक्टर ऋजु बाफना ने कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में सीमांकन से संबंधित आवेदनों का निराकरण करते हुए निर्देश दिए हैं कि सीमांकन से संबंधित सभी आवेदन लोक सेवा केंद्रों के माध्यम से लिए जाएं, जिससे आवेदनकर्ता को समय सीमा में सेवा का लाभ मिल सके. कलेक्टर सुश्री बाफना ने जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारियों राजस्व, तहसीलदारों एवं नायब तहसीलदारों को निर्देश दिए हैं कि वे तहसील कार्यालय में सीमांकन से संबंधित आवेदन स्वीकार न करें. कोई भी राजस्व अधिकारी या पटवारी तहसील कार्यालय में आवेदन स्वीकार न करे. साथ ही उन्होंने जिले के नागरिकों से भी अनुरोध किया है कि वे लोक सेवा केंद्रों के माध्यम से ही सीमांकन से संबंधित आवेदन करें.

रजिस्ट्रीकरण और सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त

सोयतकलां। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत की फोटोयुक्त मतदाता सूची का वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी कर दिया गया है. कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रीति यादव द्वारा फोटोयुक्त मतदाता सूची का वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर रजिस्ट्रीकरण एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं अपीलीय अधिकारी की नियुक्ति कर दी गई. जारी आदेशानुसार जनपद पंचायत आगर और बड़ौद के लिये अनुविभागीय अधिकारी राजस्व आगर, बड़ौद एवं सुसनेर और नलखेड़ा के लिये अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सुसनेर, नलखेड़ा रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा संबंधित तहसीलदार को सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किया है, साथ ही सभी जनपद पंचायतों के लिये अपीलीय अधिकारी अपर कलेक्टर को नियुक्त किया है. इसी तरह नगरीय निकाय आगर के लिये रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व आगर बड़ौद एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तहसीलदार आगर को बनाया गया. नगर परिषद् कानड़ के लिए रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तहसीलदार आगर एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नायब तहसीलदार कानड़, नगर परिषद् बड़ौद के लिए रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तहसीलदार बड़ौद एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नायब तहसीलदार बीजानगरी, नगर परिषद् सुसनेर और सोयतकलां के लिये रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तहसीलदार सुसनेर एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नायब तहसीलदार झौंटा, नगर परिषद् नलखेड़ा और बड़ागांव के लिए रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तहसीलदार नलखेड़ा एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नायब तहसीलदार बड़ागांव को नियुक्त किया गया है.

कांग्रेस के दीये का 'तेल' जल गया, लेकिन गुटबाजी की 'बाती' अभी भी हो रही रोशन

पोलिटिकल इनसाइड
मनोज पुरोहित

जब किसी व्यक्ति के पास से ताकत या पद याने हाथ चला जाता है, लेकिन उसकी दूसरों पर हुक्म चलाने या हेकड़ी दिखाने की आदत याने खुजली नहीं जाती. यह मुहावरा कांग्रेस पार्टी पर सटीक बैठता है कि कांग्रेस के सत्ता से हाथ कट गए, लेकिन गुटबाजी की खुजली नहीं गई... बहुत दिनों बाद कांग्रेस ने अपनी कार्यकारिणी घोषित की. लेकिन गुटबाजी के चक्कर में कार्यकारिणी रूक गई. जिन नेताओं को पद मिला था, वे चंद घंटों में ही वर्तमान से पूर्व पदाधिकारी हो गए. भले ही दो दशक से अधिक समय से कांग्रेस सत्ता से बाहर है, लेकिन कांग्रेस के नेताओं के कबीले और अपने-अपने बेताल को सूची में शामिल कराने की होड़ लगी हुई है. जिन कांग्रेसी नेताओं के बेताल जिला कार्यकारिणी की सूची में शामिल नहीं हुए, उन विक्रमों ने सूची निरस्त करवा दी. अब प्रदेश के पटवारी नए सिरे से सूची का सीमांकन करेंगे. इसमें जो पहली सूची में हल्के रह गए थे, उनको नए हलके दिए जाएंगे. भले ही कांग्रेस सत्ता में नहीं है, लेकिन गुटबाजी की अकड़ कम होने का नाम नहीं ले रही है. कांग्रेसी गुटबाजी का हाल ऐसा है कि तेल जल गया, लेकिन बाती की अकड़ कम नहीं हो रही है. कबीले और अपने-अपने बेतालों के लिए नेताओं ने शाजापुर जिले में कांग्रेस को नैपत्थ्य में डाल दिया है. पिछले विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस की हार का कारण भाजपा नहीं, कांग्रेस के छत्रप नेता थे. जहां भाजपा अपने संगठन को मजबूत करने में लगी है, वहीं कांग्रेस के नेता अपने-अपने बेताल रूपी समर्थकों को सूची में पद दिलाने के लिए पूरा जोर लगा रहे हैं. यदि इतना जोर वे जनता के बीच लगाएं, तो कांग्रेस का भला हो सकता है. जनता ने पहले ही वोट रूपी कांग्रेस के हाथ काट दिए, लेकिन उसके बाद भी छत्रप नेताओं की गुटबाजी की खुजली खत्म होने का नाम नहीं ले रही है. जिले में कांग्रेस न विधानसभा में है, न लोकसभा में है, न नगर पालिका में है, न जिला पंचायत में है. फिर भी अकड़ किसी से कम नहीं है. इसलिए कह सकते हैं कि तुमड़ी टूट गई, पर तान नहीं टूटी.

साइकिल के डंडे पर लगी छोटी सीट पर बैठाया था नेताओं को

हाल ही में जिला कांग्रेस की कार्यकारिणी घोषित हुई. उसमें कई नेताओं को पद दिए गए हैं. उनके पद देखकर ऐसा लग रहा है, जब कोई बच्चा रोता है, तो उसे बहलाने के लिए साइकिल के डंडे पर लगी छोटी सीट पर सवारी कराई जाती है. इसी तरह जिला कार्यकारिणी की सूची में भी जो पद दिए गए थे, वो भी साइकिल के डंडे पर लगी छोटी सीट की तरह ही थे. लेकिन वो भी नेताओं को रास नहीं आए और उन्होंने सीट ही उखाड़ कर फैंक दी. कुछ ऐसे पद बंटे हैं, जो साइकिल के हैंडिल पर छोटी डलिया लगाई जाती है, जिसमें जिद्दी बच्चों को बैठा दिया जाता है. ऐसे ही साइकिल के हैंडिल पर लगी छोटी डलिया में भी कुछ वरिष्ठ नेताओं को पद देकर बैठाया था, लेकिन कांग्रेस के फूफाओं ने अपने भतीजों को पद दिलाने के लिए यह डलिया भी उखाड़ फैंकी.

बुआ और फूफा ने अपने-अपने भतीजों के लिए रुकवाई सूची

जिला कार्यकारिणी की सूची घोषित होते ही खुशी का माहौल गमगीन हो गया. क्योंकि कांग्रेस में एक फूफा और बुआ ने अपने-अपने भतीजों को पद दिलाने के लिए पूरी सूची रुकवा दी. कांग्रेस की बुआ जी विधायक बनने के सपने देख रही हैं, तो कांग्रेस के फूफाजी भी इन दिनों चुनाव लड़ने का मन बना चुकेहैं. अभी बुआ और फूफा एक साथ चल रहे हैं, ऐसा न हो कि आने वाले चुनाव में टिकट के समय ये कह दें कि हम आपके हैं कौन?

अंत में...

मंजिल की चाह ने सब को मुसाफिर बना दिया... अपनों की गुटबाजी ने कारवां ही मिटा दिया... दुश्मन से तो हम हर बार संभल कर लड़े... मगर अपनों की साजिश ने ही घर जला दिया...

आशा कार्यकर्ता के बजाय, उसका पति कर रहा है काम...

शाजापुर। जिले के ग्राम चौसला कुल्मी के एक युवक ने मंगलवार को कलेक्टर ऋजू बाफना को शिकायती आवेदन सौंपा. जिसमें उन्होंने गांव की सरकारी जमीन पर कब्जा होने व एक आशा कार्यकर्ता द्वारा खुद के बजाए पति से काम करवाने की बात कही.

युवक ने अपनी शिकायत में बताया कि आशा कार्यकर्ता मंजु परमार पर अनपढ़ होने का आरोप लगाया, युवक ने बताया कि मंजु पढ़ी लिखी नहीं हैं और वे खुद काम करने के बजाय अपने पति से सारा काम कराती है. जबकि नियमों के मुताबिक आशा कार्यकर्ता को खुद घर घर जाकर महिलाओं को स्वास्थ्य सेवाएं देनी होती हैं, लेकिन यहां उनका पति यह काम कर रहा है. इससे गांव की महिलाओं को काफी परेशानी और झिझक महसूस होती है.

दूसरी शिकायत में बताया कि गांव की सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे किया है, आरोप है कि कमल परमार नाम के व्यक्ति ने उन लोगों के पट्टों पर कब्जा कर लिया है जो गांव छोड़कर जा चुके हैं, इतना ही नहीं, उसने आसपास की सरकारी जमीन को भी दबा लिया है और वहां कुआं खुदवा लिया है. शिकायत करने पहुंचे पवन पाटीदार ने कलेक्टर से मांग की है कि इन दोनों मामलों की बारीकी से जांच की जाए.

फेरों के बाद विदाई लेकर सीधी परीक्षा केंद्र पर पहुंची दुल्हन

शुजालपुर की छात्रा ने पेश की शिक्षा के प्रति मिसाल

शुजालपुर। जवाहरलाल नेहरू स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मंगलवार को एक प्रेरणादायक दृश्य देखने को मिला, जब बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा पूजा विवाह के तुरंत बाद दुल्हन के जोड़े में ही व्यक्तित्व विकास विषय की परीक्षा देने पहुंच गई. शिक्षा के प्रति समर्पण की यह अनोखी मिसाल क्षेत्रभर में चर्चा का विषय बन गई है.

जानकारी के अनुसार ग्राम रामड़ी तहसील कालापीपल निवासी पूजा पिता हरिप्रसाद का विवाह 27 अप्रैल की रात को संपन्न हुआ. शादी की रस्में पूरी होने के बाद विदाई लेकर वह सीधे परीक्षा केंद्र पहुंचीं और समय पर परीक्षा में शामिल हो गईं. दुल्हन के पारंपरिक परिधान में भी उनका आत्मविश्वास और एकाग्रता देखने लायक रही. परीक्षा केंद्र के केंद्राध्यक्ष डॉ. प्रवीणा धारीवाल सहित डॉ. बी के त्यागी, डॉ. आशीष यादव एवं डॉ. सुनील कुमार मित्तल ने बताया कि छात्रा ने पूरी गंभीरता और अनुशासन के साथ परीक्षा दी. उन्होंने इसे शिक्षा के प्रति जिम्मेदारी और दृढ़ संकल्प का उत्कृष्ट उदाहरण बताया. छात्रा के इस कदम ने न केवल महाविद्यालय, बल्कि पूरे क्षेत्र में सकारात्मक संदेश दिया है. स्थानीय लोगों और विद्यार्थियों ने पूजा के इस कदम की सराहना करते हुए इसे युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताया.

दुल्हन के जोडे में परीक्षा देते हुए छात्रा

नगरीय निकायों के लिए अधिकारी-अपीलीय अधिकारी नियुक्त

शाजापुर। नगरीय निकायों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण की कार्रवाई के लिए मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा विस्तृत कार्यक्रम एवं निर्देश जारी किए है. आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण की समस्त कार्यवाही नियत समय सीमा में संपन्न की जाना अनिवार्य है. नगरीय निकायों की फोटोयुक्त मतदाता सूची 1 जनवरी 2026 की स्थिति में तैयार की जाना है.

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋजु बाफना द्वारा फोटोयुक्त मतदाता सूची पुनरीक्षित करने के लिए मप्र नगरपालिका निर्वाचन नियम 1994 के अन्तर्गत नगरीय निकायों के लिये रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों व अपीलीय अधिकारी नियुक्त किये गये हैं. जिसके तहत नगर पालिका शाजापुर के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनुभाग शाजापुर सुश्री मनीषा वास्कले को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किया गया हैं. इसी प्रकार नगर परिषद मक्सी के लिए नायब तहसीलदार गौरव पोरवाल, नगरपालिका परिषद शुजालपुर के लिए अनुविभागीय अधिकरी राजस्व शुजालपुर राजकुमार हलदर, नगर परिषद अकोदिया के लिए उप तहसील अकोदिया कैलाश नारायण चौहान, नगरपरिषद पोलायकलां के लिए तहसीलदार तहसील पोलायकलां श्रीमती अंकिता पाटकर एवं नगर परिषद पानखेड़ी के लिए तहसीलदार कालापीपल संदीप श्रीवास्तव को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किया गया हैं. नियुक्त रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, राज्य निर्वाचन द्वारा जारी निर्देश एवं कार्यक्रम अनुसार नगरीय निकायों की फेटोयुक्त मतदाता सूची तैयार करने के लिए पूर्णत: उत्तरदायी रहेंगे.

नींद में छत से गिरा मासूम, सिर पर चोट

बिजली गुल होने पर छत पर गया सोने, गहरी नींद में हुआ हादसा

शाजापुर। समीपस्थ ग्राम पनवाड़ी में सोमवार रात एक बच्चा छत से गिर गया. जिसे सिर में गंभीर चोंट आने पर प्राथमिक उपचार के बाद इंदौर रैफर किया गया है. बताया जाता है कि गांव में बिजली गुल होने से उसकी नींद खुली और वह छत पर सोने चला गया था. जहां गहरी नींद आने पर वह छत से नीचे गिर गया.

घटना रात करीब 8 से 9 बजे के बीच हुई, परिजनों के अनुसार दोपहर करीब 3 बजे से ही गांव में बिजली नहीं थी. भीषण गर्मी के कारण पीयूष प्रजापति छत पर सोने चला गया था और नींद में ही वह नीचे गिर पड़ा. जिसके बाद परिजन उसे जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसका इलाज किया, लेकिन हालत में सुधार न होने पर उसे प्राथमिक उपचार के बाद रात करीब 11.30 बजे इंदौर रैफर कर दिया.

एक नजर में

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय शाजापुर के स्टाफ ने सामूहिक रूप से की स्व गणना

डिजिटल माध्यम से स्व-गणना कर दिया महत्वपूर्ण संदेश

शाजापुर। आगामी जनगणना को लेकर शासन द्वारा चलाए जा रहे जागरुकता अभियान के अंतर्गत शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय शाजापुर में स्टाफ सदस्यों द्वारा सामूहिक रूप से स्वगणना कर महत्वपूर्ण संदेश दिया गया. इस पहल का उद्देश्य आमजन को डिजिटल माध्यम से स्वयं अपनी जानकारी दर्ज करने के लिए प्रेरित करना तथा जनगणना प्रक्रिया को सरल, सुलभ और सटीक बनाना है.

कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के प्राचार्य हेमेंद्र यादव के निर्देशन में किया गया. इस दौरान पर्यवेक्षक संतोष कुमार मालवीय, ओम प्रकाश पाटीदार एवं अशोक पाटीदार के मार्गदर्शन में सभी स्टाफ सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई. कार्यक्रम के दौरान स्वगणना की प्रक्रिया को समझाया गया तथा यह बताया गया कि किस प्रकार नागरिक अपने मोबाइल या अन्य डिजिटल साधनों के माध्यम से स्वयं अपनी जानकारी भर सकते हैं. इस अवसर पर प्रगणक रेखा गहलोत एवं सना परवीन भी उपस्थित रहीं, जिन्होंने स्वगणना से जुड़ी तकनीकी जानकारियां साझा कीं और उपस्थित स्टाफ को प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया. उन्होंने बताया कि स्वगणना से समय की बचत होगी।

डेटा की शुद्धता बढ़ेगी और जनगणना कार्य अधिक पारदर्शी बनेगा. विद्यालय के स्टाफसदस्यों ने इस पहल में बढ़-चढ़कर भाग लिया. कार्यक्रम में विजया सक्सेना, ज्योति धाकड़, गौरव, अशोक पाटीदार, रविकांत त्रिपाठी, सियाराम पाटीदार, रीता सचान, भारती चौहान, जयराम गंगवाल, नितिन मालवीय, शीतल श्रीवास्तव, संध्या शर्मा, अनवर खान, राजेंद्र मालवीय, प्रेरणा तोमर, सुयश तोमर तथा माखनलाल धानुक, प्रियंका पटेल सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे. सभी ने स्वयं स्वगणना कर इस अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया.

देश के विकास की आधारशीला है जनगणना

प्राचार्य हेमेंद्र यादव ने कहा कि जनगणना देश के विकास की आधारशिला है. क्योंकि इसके माध्यम से प्राप्त आंकड़े सरकार को योजनाएं बनाने और उन्हें प्रभावी ढंग से लागू करने में सहायता करते हैं. उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे स्वगणना को अपनाएं और इस राष्ट्रीय कार्य में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें.

सभी ने लिया संकल्प...

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित सदस्यों ने जनगणना 2027 को सफल बनाने के लिए जन जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया. इस पहल से विद्यालय परिवार ने समाज में एक सकारात्मक संदेश दिया कि तकनीक का उपयोग कर हम राष्ट्रीय कार्यों को और अधिक प्रभावी बना सकते हैं.

जिले के नागरिक पोर्टल पर स्व गणना कर लोग दर्ज करें अपनी जानकारी

शाजापुर। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी सुश्री ऋजु बाफना ने जनगणना 2027 अंतर्गत जिले के सभी जिला अधिकारियों, कर्मचारियों, चार्ज अधिकारियों, प्रगणकों, सुपरवाजर्स को निर्देश दिए हैं कि वे 30 अप्रैल के पूर्व तक स्वगणना पोर्टल के माध्यम से अपना ऑनलाइन स्व गणना फॉर्म अनिवार्य रूप से भरें. साथ ही उन्होंने जिले के नागरिकों से भी जनगणना 2027 कार्य में अपनी सक्रिय भागीदारी करने का अनुरोध किया हैं. कलेक्टर ने बताया कि वर्तमान में जिले में जनगणना का कार्य संचालित हो रहा है तथा इसी क्रम में भारत सरकार द्वारा स्वगणना पोर्टल प्रारंभ किया गया है. इस पोर्टल के माध्यम से सभी नागरिक घर बैठे ही अपनी जनगणना से संबंधित जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं. यह प्रक्रिया सरल, सुरक्षित एवं पूर्णत: गोपनीय है, जिसमें नागरिकों की निजता का विशेष ध्यान रखा गया है. उन्होंने बताया कि 30 अप्रैल तक ऑनलाइन स्व गणना का कार्य होगा. साथ ही एक से 30 मई तक मकान सूचीकरण होगा.